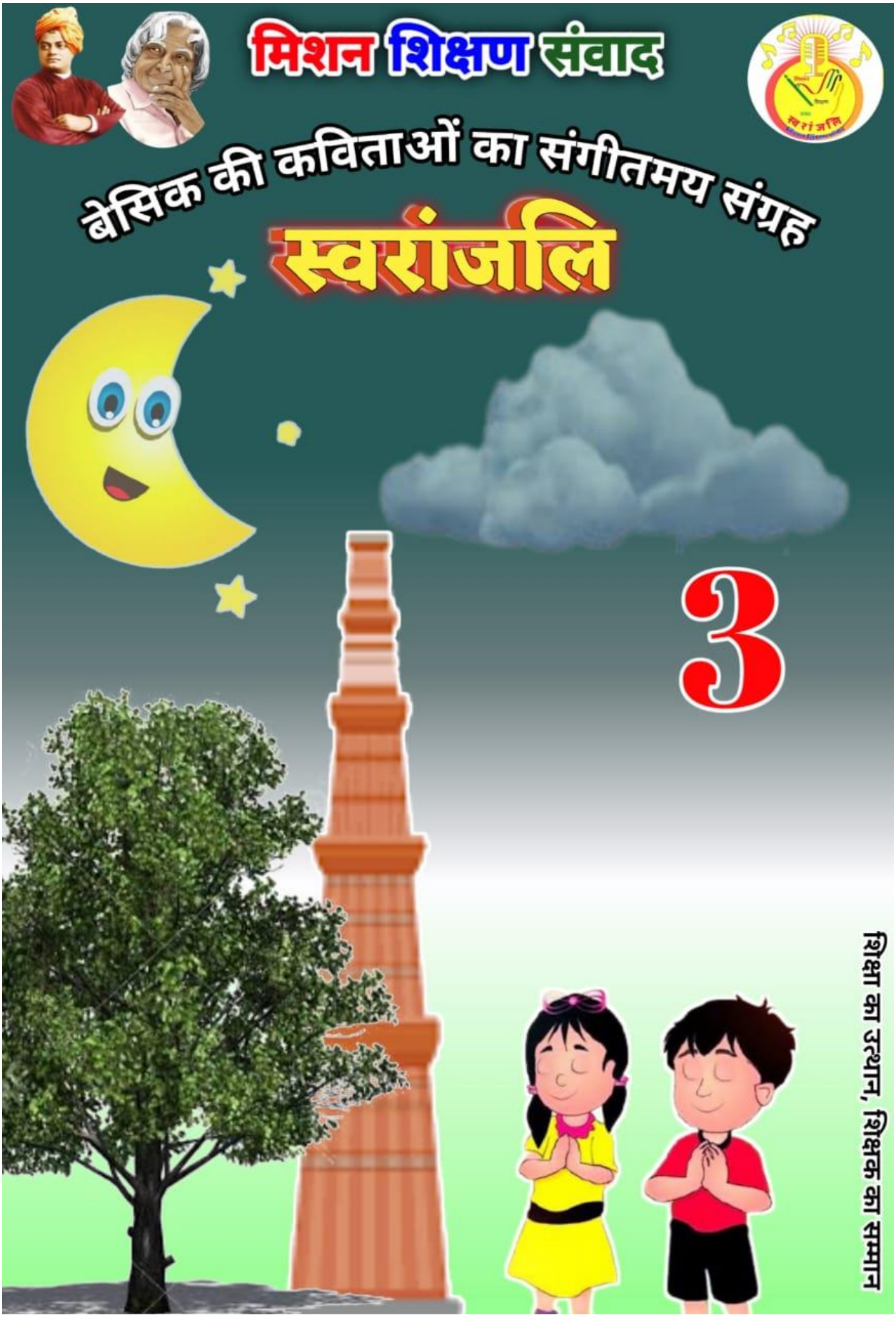
मिशन शिक्षण संवाद
बेसिक की कविताओं का संगीतमय संग्रह
स्वरांजलि
3
शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

पाठ- 1

प्रार्थना

देश की माटी देश का जल

हवा देश की देश के फल

सरस बने प्रभु सरस बने।

देश के घर और देश के पाट

देश के वन और देश के बाद

सरल बनें प्रभु सरल बने।

देश के तन और देश के मन

देश के घर के भाई-बहन

बिमल वन प्रभु विमल बनें।।

-गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर

वीडियो देखने के लिए icon पर click करें

पाठ- 3

बादल किसके काका

अभी-अभी थी धूप,
बरसने लगा कहाँ से यह पानी,
किसने फोड़ घड़े बादल के,
की है इतनी शैतानी।
सूरज ने क्यों बंद कर लिया,
अपने घर का दरवाजा,
उसकी माँ ने भी क्या उसको,
बुला लिया कहकर 'आ जा'।
जोर-जोर से गरज रहे हैं,
बादल है किसके काका,
किसको डांट रहे हैं,
किसने कहना नहीं सुना माँ का?

- सुभद्रा कुमारी चौहान

वीडियो देखने के लिए icon को click करें

पाठ- 6
सबसे पहले

आज उठा में सबसे पहले।
सबसे पहले आज सुनूँगा
चिडिया का डैने फडकाकर
चहक चहक कर उड़ना फर-फर
देखूंगा पूरब में फैल
बादल पीले, लाल, सुनहले।
आज उठा में सबसे पहले।

सबसे पहले आज चुनूंगा
पौधे पौधे की डाली पर
फूल खिले जो सुंदर-सुंदर
देखूँगा पूरब में फैले
बादल पीले, लाल, सुनहले
आज उठा में सबसे पहले।

सबसे कहता आज फिरूंगा
कैसे पहला पत्ता डोला
कैसे पहला पंछी बोला
कैसे पूरब ने फैलाए
बादल पीले, लाल, सुनहले
आज उठा में सबसे पहले

-डॉ० हरिवंशराय बच्चन

वीडियो देखने के लिए icon पर click करे

पाठ- 8

अगर पेड़ भी चलते होते

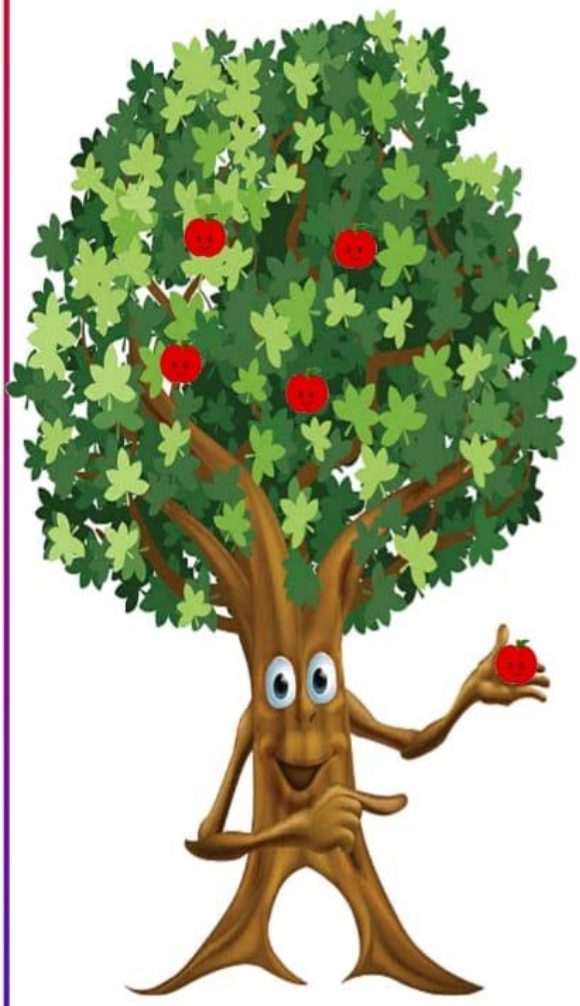

अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते।
बाँध तने में उनके रस्सी
चाहे जहाँ कहीं ले जाते।
जहाँ कहीं भी धूप सताती
उनके नीचे हम छिप जाते।
भूख सताती अगर अचानक
तोड़ मधुर फल उनके खाते
आती कीचड़ बाढ कहीं तो
झट उनके ऊपर चढ़ जाते।।

- दिविक रमेश

वीडियो देखने के लिए icon को click करें

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद बरेली शिक्षक का सम्मान।

पाठ-16

मीठे बोल

मीठा होता खस्ता खाजा
मीठा होता हलुआ ताजा।
मीठे होते गट्टे गोल
सबसे मीठे मीठे बोल ।।

मीठे होते आम निराले
मीठे होते जामुन काले।
मीठे होते गन्ने गोल
सबसे मीठे मीठे बोल |

मीठा होता दाख छुहारा
मीठा होता शक्कर पारा।
मीठा होता रस का घोल
सबसे मीठे मीठे बोल ।

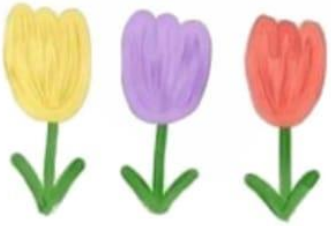

मीठी होती पुआ सुहारी
मीठी होती कुलफी न्यारी
मीठे रसगुल्ले अनमोल
सबसे मीठे मीठे बोल ।।

सोहन लाल द्विवेदी

वीडियो देखने के लिए icon पर click करे

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद बरेली, शिक्षक का सम्मान।

पाठ-17

लोक गीत

ब्रजभाषा

आज विरज में होरी रे रसिया।

होरी रे रसिया, बरजोरी रे रसिया।

उडत गुलाल लाल भए बादर

केसर रंग में धोरी रे रसिया।।

बाजत ताल मृदंग झोझ ढप

और नगारे की जोरी रे रसिया।।

वीडियो देखने के लिए icon पर click करे

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद बरेली शिक्षक का सम्मान

पाठ-17

लोक गीत

भोजपुरी

सुंदर सुभूमि भइया भारत के देसवा से

मोरे प्रान बसे हिम-खोह रे बटोहिया,

एक द्वार घेरे रामा हिम-कोतवला से,

तीन द्वारा सिंधु घहरावे रे बटोहिया

वीडियो देखने के लिए icon पर click करे

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद बरेली शिक्षक का सम्मान।

पाठ-17

लोक गीत

अवधी

बाबा निमिया के पेड जिनि काढेउ

निमिया चिरइया के बसेर

बलइया लेऊ बीरन की।

हो मोरे बाबा।

बाबा सगरी चिरइया उड़ि जइहै

रहि जइहै निमिया अकेर,

बलइया लेऊ बीरन की।

हो मोरे बाबा।

वीडियो देखने के लिए icon पर click करे

पाठ-17
लोक गीत

बुन्देली

देखो सखी वर्षा ऋतु आई।

बागन मोर, कोकिला बोलत

चातक, दादुर शोर मचाई।

घुमड़-घुमड़ गरजत घन तडकत,

काली घटा नभ देत दिखाई।

वीडियो देखने के लिए icon पर click करे

पाठ- 20

भारत है मेरा घर

रानी बिटिया चली घूमने
दिल्ली से आगे बढ़,
चलते-चलते, चलते-चलते,
पहुँच गई चंडीगढ़।

चंडीगढ़ से जयपुर पहुँची
जयपुर से रामेश्वर,
रामेश्वर से चलते-चलते,
लौट चली आई घर।

माँ ने पूछा, "रानी बिटिया
कहीं गयी थी बाहर?"
बिटिया बोली, "कहीं नहीं माँ
मैं थी घर के अंदर।"

"घर के अंदर ? रानी बिटिया,
ऐसा झूठ सरासर ?"
"झूठ नहीं माँ! सच कहती हूँ,
भारत है मेरा घर।"

- निरंकार देव 'सेवक'

वीडियो देखने के लिए icon को click करें

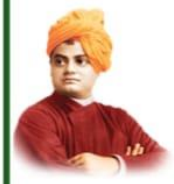

मिशन शिक्षण संवाद
मिशन शिक्षण संवाद
ममता मिश्रा,इलाहाबाद ☆ ऋचा सिंह, वाराणसी ☆ उदय करण राजपूत,जालौन ☆ ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा ☆ करुणा मौर्य, वाराणसी
अर्पिता कुमार आर्या, बरेली ☆ प्रीति श्रीवास्तव, जौनपुर ☆ सिन्धुजा श्रीवास्तव, जौनपुर ☆ अर्चना पाण्डेय, गौतमबुद्ध नगर
पूजा पाण्डेय, बाराबंकी ☆ प्रतिभा यादव, सहारनपुर ☆ प्रज्ञा रानी आर्या, बरेली
पूजा सचान, झाँसी ☆ गीता यादव, फतेहपुर ☆ रूचि शर्मा, बरेली ☆ ख्याति गुलाटी, सहारनपुर
वीरेन्द्र परनामी, हमीरपुर ☆ रूचि त्रिवेदी, कानपुर
शिवम सिंह, जौनपुर ☆ राजकुमार शर्मा, चित्रकूट
मिशन शिक्षण संवाद
स्वरांजलि
टीम स्वरांजलि